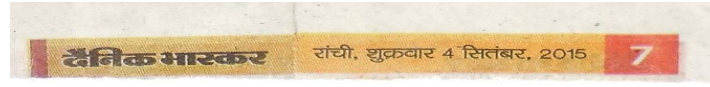


National Conference on People Management held at ICFAI University



मानव संसाधन का हो बेहतर इस्तेमाल : डॉ जॉन



इक्फाई विवि में 'मानव प्रबंधन-वर्तमान शताब्दी में उभरते रुझान' विषय पर सम्मेलन.

मुख्य संवाददाता, रांची

बिरसा कृषि विवि के कुलपति डॉ जॉन ने कहा है कि मानव संसाधन किसी भी संगठन का कोर एसेट है और इसका अच्छे से इस्तेमाल करने पर एक अनुकूल माहौल बनता है। डॉ जॉन आज इक्फाई विवि, झारखंड के दलादली स्थित परिसर में मानव प्रबंधन-वर्तमान शताब्दी में उभरते रुझान विषय पर आयोजित सम्मेलन में बोल रहे थे। सम्मेलन में एक्सआइएसएस के निदेशक डॉ फादर एलेक्स एक्का ने मानव प्रबंधन के 10 मानवीय आयाम पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एक्सआइएसएस को विश्व स्तर पर बिजनेस स्कूल के स्थान पर लाने के

लिए इसका अभ्यास किया। आधुनिक युग के कार्यपालक निदेशक ए प्रसाद ने मानव संसाधन में काम, सूचना, भूमिका व प्रदर्शन को समझाया। मेकॉन लिमिटेड डीजीएम संजीव कुमार ने मानव प्रबंधन के सशक्तीकरण के लिए कर्मचारियों के प्रबंधन के लिए संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत पर प्रकाश डाला।

एक्सआइएसएस के एचआर विभागाध्यक्ष प्रो एसआर साँक ने आज के मानव प्रबंधन की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि मानव प्रबंधन काफी व्यापक है, जिससे वे जहाँ भी रहें और वे जो भी करते हैं व्यावसायिक सफलता और लोगों के व्यक्तिगत सुख के लिए महत्वपूर्ण

है। कुलपति ने कहा कि हमें सफल होने के लिए आज के प्रौद्योगिकी और वैश्वीकरण से प्रभावित परिवेश में खुद को ढालने की जरूरत है। डॉ हरिहरण ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस सम्मेलन में दो तकनीकी सत्रों का संचालन प्रो पीके बनर्जी व बीआइटी मेसरा के प्रो प्रणव कुमार ने किया। समापन समारोह में केंद्रीय विवि के कुलपति प्रो एनके यादव इंदु ने प्रतिभागियों को सम्मेलन से सीखने व अपने दैनिक जीवन में लाभ उठाने का आह्वान किया। डॉ केके नाग ने समापन भाषण दिया। इस अवसर पर डॉबीएम सिंह, प्रो मदन प्रसाद, प्रो एस प्रसाद, डॉ एससी स्वेन, डॉ चेतना सिन्हा सहित कई शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित थे।

3

राजधानी

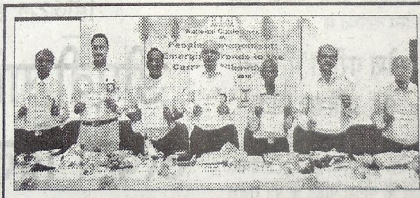
रांची एक्सप्रेस

रांची, शुक्रवार 4 सितंबर 2015

इक्फाई विवि में राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

मानव संसाधन के बेहतर उपयोग पर बल

रांची, 3 सितंबर (रा.ए.सं.) : इक्फाई विश्वविद्यालय झारखण्ड के दलादली स्थित परिसर में 'मानव प्रबंधन वर्तमान शताब्दी में उभरते रुझान' विषय पर आज राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. जॉन ने कहा कि मानव संसाधन किसी भी संगठन की मुख्य सम्पत्ति होती है। मानव संसाधन का बेहतर उपयोग अनुकूल माहौल बनाने के लिए जरूरी है।



स्मारिका का विमोचन करते विशिष्टजना छाया : आसिफ

एक्सआइएसएस के निदेशक डा. प्रकाश डाला। आधुनिक समूह के फादर एलेक्स एक्का ने मानव कार्यपालक निदेशक ने मानव प्रबंधन के मानवीय आधार पर संसाधन के महत्व पर जानकारों को

मेकॉन के उपमहाप्रबंधक संजीव कुमार ने मानव प्रबंधन सशक्तीकरण पर जोर दिया।

एक्सआइएसएस के प्रो. एच.आर. साँक ने मानव प्रबंधन के विभिन्न आयामों पर विचार व्यक्त किए।

सम्मेलन में दो तकनीकी सत्र भी आयोजित हुए। इसमें कई विशिष्ट लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए। इससे पहले स्वागत भाषण विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओआरएस राव ने किया।

इकाई विधि में मानव प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन मानव संसाधन किसी भी संगठन का कोर एसेट : डॉ जार्ज जॉन



राशि: ईकाई विधि विद्यापीठ के द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्रथम रात्र में सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए ईकाई विधि के कुलपति डॉ अजय कुमार रात्र ने कहा कि मानव प्रबंधन का अर्थ है, जिससे वे जहाँ भी रहे और वे जो भी करते हैं, व्यवसायिक सफलता और लोगों के व्यक्तिगत सुख के लिए महत्वपूर्ण है। हमें अलग-अलग होने के लिए प्रोत्साहित और वैश्वीकरण से प्रभावित परिवेश में खुद को खोलने की जरूरत है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यापीठ के कुलपति डॉ जार्ज जॉन ने कहा कि मानव संसाधन किसी भी संगठन की कोर एसेट है और इसे अच्छे से

इस्तेमाल करने से एक अनुकूल माहौल बनाने में आवश्यक है। एकाई विधि के निदेशक डॉ एलेक्स एसा ने मानव प्रबंधन के मानवीय अंगण पर टेन क्वार्टरमेंट्स के साथ प्रकाश डाला। वहीं अनुभवी रूप के कार्यकारी निदेशक ए प्रकाश ने मानव संसाधन में काम, सुपन, धूम्र, प्रदर्शन के प्रकाश को समझाया। वेबिन के मोहन मंत्री कुमार ने कहा कि मानव प्रबंधन महाविद्यालय के लिए जसल एसा, जसल पौर तथा जसल ई कार्यकारी के प्रबंधन के लिए संतुलित दृष्टिकोण अपनाई की जरूरत है।

द्वितीय रात्र में मानव प्रबंधन की चुनौतियों पर चर्चा

राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे रात्र में अतिथियों के विभिन्न क्षेत्रों में मानव प्रबंधन की

चुनौतियों तथा मानव प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रथाओं पर आगे बढ़ाया गया। जिसमें सर्वप्रथम मुख्य अतिथि पर मानव प्रबंधन के लिए सुरक्षा के सुदृढ़, प्रथाओं, प्रौद्योगिकी का उपयोग व प्रतिक्रिया प्रबंधन विधियों को कवर किया गया। रात्र को संबोधित करते हुए केन्द्रीय विद्यापीठ के कुलपति डॉ अजय कुमार रात्र ने कहा कि सभी प्रतिभागियों सम्मेलन से सीखें एवं इसे अपने वास्तविक जीवन में अपने अपने क्षेत्रों को इसके लिए प्रेरित करें। सम्मेलन में अतिथि वेबिन, रॉन्दी महिपति मंत्री ने काम कर रहे प्रबंधकों, शिक्षकों तथा छात्रों द्वारा 19 पेपर प्रस्तुत किया गया। जिसमें केन्द्र पेपर प्रस्तुत करने वाली विधिपीठ तथा राष्ट्रीय संघों को दिया गया।